ACHARYA SCHOOL OF DESIGN
LIBRARY
Date 7-10-2024
BENGALURU

AECHN2.1

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.A Degree Examination, October - 2022

HINDI

Upanyas, Prayojan Mulak Hindi Aur Sankshepan (Daak Bangala)

(CBCS Semester Scheme Fresher Under AECC NEP 2021-2022 Onwards)

Paper : II

Time : 2½ Hours **Maximum Marks : 60**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) घोडेवाला किस रास्ते पर सबका इंतजार कर रहा था?

2) विमल ने इरा को किसके यहाँ नौकरी दिलवाई?

3) बतरा साहब की पुरानी प्रेमिका का नाम क्या है?

4) बतरा इरा को कितना वेतन देता था?

5) डॉ. चंद्रमोहन दूसरी बार किससे शादी करते हैं?

6) इरा की सहेली का नाम क्या है?

7) इरा कहाँ घूमने जाती है?

8) 'डाक बंगला' उपन्यास के लेखक कौन है?

9) डॉ. चंद्रमोहन के कितने बच्चे थे?

10) किस पेड की छाल पर पोथियाँ लिखी जाती है?

II. किन्हीं दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । **(2×7=14)**

1) 'इधर दूध मिलना बहुत मुश्किल है, मक्खन बहुत मिलेगा ..... पर साब, शायद थोडा दूध हमारे पास बचा है, अभी लाएगा'।

2) 'हर जिंदगी में एसे कुछ जरूर रह जाता है जो कहीं भी, किसी के सामने नहीं खुलता, आदमी के साथ दफन हो जाता हैं'।

3) 'दूसरी तरफ देखते हुए डॉक्टर ने सीधी–सी बात कह दी–अगर तुम्हें मंजूर हो तो हम शादी भी कर सकते हैं'।

[P.T.O.

III. 1) 'डाक बंगला' उपन्यास का सारांश लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (1×16=16)

(अथवा)

2) इरा के माध्यम से उपन्यासकार ने एक मध्यवर्गीय नारी की आंतरिक एवं वाह्य संघर्ष को दर्शाया है – इस कथन की समीक्षा कीजिए।

IV. **किसी एक पर टिप्पणी लिखिए:** (1×5=5)

1) तिलक

2) सौलंकी

V. **किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए :** (2×4=8)

1) प्रयोजनमूलक हिन्दी की परिभाषा लिखिए।

2) प्रयोजनमूलक हिन्दी का स्वरूप क्या है?

3) प्रयोजनमूलक हिन्दी का प्रयोग किन क्षेत्रों में होता है?

VI. **निम्नलिखित गद्यांश को एक तिहाई में घटाकर उचित शिर्षक देते हुए संक्षेपण कीजिए।** (1×7=7)

मनुष्य का अपने जीवन में कुछ–न–कुछ उद्देश्य रहना चाहिए। उद्धेश्य के बिना जीवन अर्थहीन हो जाता है। किसान सीधा–साधा, सरल, पवित्र और मेहनती होता है। किसान को अपनी मेहनत करने के साथ–साथ देश की सेवा भी करनी है। प्रत्येक मनुष्य के जीवन में उद्धेश्य होना चाहिए। यदि तुम्हारा कोई उद्धेश्य नहीं है तो तुम सफल नहीं होगे। क्या करोगे इसको तुम्हें जानना आवश्यक है। उद्धेश्यहीन मनुष्य बिना पतवार की तरह है। विभिन्न मनुष्य के विभिन्न उद्धेश्य होते हैं। बहुत लोग धन कमाना चाहते हैं और धन कमाना ही उनका उद्धेश्य बन जाता हैं। कुछ लोग केवल आनंद चाहते हैं। कुछ लोग विद्या के लिए परेशान हैं। कुछ लोग केवल बढ़ाई चाहते हैं। तुम्हारा उद्धेश्य देश की सेवा करना होना चाहिए। तुम्हारा देश दरिद्र है। यहाँ के किसान सच्चे सरल और पवित्र हैं। वे भूमि को उपजाऊ बनाकर अपनी मेहनत की अच्छी मजदूरी नहीं निकाल पाते। तुम उन्हें योग्य और सफल किसान बनाने का उद्योग कर सकते हो।